आर.एन.आई. नं. RAJBIL/2010/52404

परम पू. कैलाश जी 'मानव'

सेवा सौभाग्य

● मूल्य » 5 ● वर्ष-11 ● अंक » 132 ● मुद्रण तारीख » 1 दिसम्बर-2022 ● कुल पृष्ठ » 28

अब तक संस्थान द्वारा
155500 स्वेटर व
192000 कम्बल वितरण

बनें मुस्कान... तरसती आंखों की

ठण्ड की ठिठुरन में सेवा की राहत

आगामी शिविर

नारायण लिम्ब माप-वितरण एवं उपकरण वितरण शिविर
11 दिसम्बर, 2022
शिरपुर व बुढलाडा-मानसा
18 दिसम्बर, 2022
कैथल व मुर्तिजापुर
24 दिसम्बर, 2022 - लखनऊ
शिक्षा, चिकित्सा एवं असहाय सहायता शिविर
25 दिसम्बर, 2022 - खाखड़ी

कृत्रिम अंग से मिला 31,225 दिव्यांगजनों को सहारा

दिव्यांगों की जिन्दगी में खुशियाँ भरने का कर्म...हम सबका धर्म...

1 कृत्रिम अंग सहयोग 10000 रू.

Donate Now

संस्थान को **paytm** एवं **UPI** के माध्यम से दान देने हेतु इस **QR Code** को स्केन करें अथवा अपने पेमेंट एप में **UPI Address** डालकर आसानी से सेवा भेजे।

UPI narayanseva@sbi

अधिक जानकारी के लिए कॉल करें

फोन नं. : +91-294-6622222

वाट्सअप : +91-7023509999

» 1 दिसम्बर, 2022 » वर्ष 11 » अंक 132 » मूल्य 05 » कुल पृष्ठ 28

NARAYAN SEVA SANSTHAN
Our Religion is Humanity

सेवा सौभाग्य

Sewa Parmo Dharm.
MAKE GIVING YOUR HABIT

मुख्यालय : हिरण मगरी, सेक्टर-4, उदयपुर (राज.)-313002, फोन नं. : +91-294-6622222, वाट्सअप : +91-7023509999
Web » www.narayanseva.org E-mail » info@narayanseva.org

06

11

12

14

17

20

संपादक मंडल

मार्ग दर्शक » **कैलाश चन्द्र अग्रवाल** » सम्पादक **प्रशान्त अग्रवाल** » सहयोग **विष्णु शर्मा हितैषी, भगवान प्रसाद गौड़** » डिजाइनर **विरेन्द्र सिंह राठौड़**

Seva Soubhagya Print Date 1 December, 2022 Registered Newspaper No. RAJBIL/2010/52404 Postal Reg. No. RJ/UD/29-146/2020-2022. Despatch Date 1st to 7th of every month, Chetak Circle Post Office, Udaipur, Published by Sole-Owner, Publisher and Chief Editor Prashant Agarwal from Sevadham, Hiran Magri, Sector-4, Udaipur - 313002 (Raj) Printed at Newtrack Offset Private Limited, Udaipur. Total pages- 28 (No. of copies printed 1,05,000) cost- Rs.5/-

दु:ख का सामना कैसे करे ?

'सेवक' प्रशान्त भैया

> **भूतकाल की बातों एवं भविष्य की चिंता से वर्तमान खराब ना करें, अगर हम यह दोनों ही तरह के भार को अपने मस्तिष्क से उतार दें तो हम हल्के हो जाएंगे फिर चाहे हम महल में रहें या झोपड़े में रहें।**

एक बहुत बड़े त्यागी, सन्यासी संत थे। उनके पास बहुत से लोग अपनी परेशानियां लेकर जाते थे, और वह पलभर में उनकी सारी परेशानियां दूर कर देते थे। उनके पास हर प्रश्न का उत्तर था। कई लोग तन की बीमारियों को लेकर भी उनके पास जाते थे तो वे मना करते थे कि मैं मन की बीमारियां ठीक करता हूँ, तन की नहीं। मैं चिकित्सक मन का हूँ तन का नहीं।

एक दिन उनके पास एक व्यक्ति आया और बोला कि गुरूजी मेरे पास दुनिया की ऐसी को भी चीज नहीं जो मेरे पास नहीं हो, मैं भौतिक सुख सुविधाओं से परिपूर्ण हूँ, मेरे पास सब कुछ है घर में बच्चे, पत्नी नौकर चाकर। अगर ऐसी एक भी चीज जो में सोचू-विचारू जो मेरे पास नहीं है? तो शायद मैं सोच भी नहीं पाऊंगा फिर भी मैं दु:खी रहता हूँ? तकलीफ में रहता हूँ? आपश्री के पास कुछ भी नहीं है, झोपड़ा है वो भी टूट-फूटा, ना धन, ना कपड़े पूर्ण हैं? भोजन के लिए आप घर- घर जाकर भिक्षा मांगते हो ? मेरे पास जो कुछ भी है उसका आपके पास अंश भर भी नहीं है? फिर भी आप बहुत सुखी और मेरे पास सब कुछ होते हुए भी मैं बहुत दु:खी हूँ? इस का क्या कारण है? तब गुरूजी बोले - चलो जंगल की ओर चलते हैं। जंगल में थोड़ी दूर जाते ही नदी के किनारे से एक भारी भरकम पत्थर उसके हाथ में रख देते हैं और गुरूजी बोले की इस पत्थर को साथ लेकर चलो। वह जंगल के उबड़-खाबड़ रास्ते पर कुछ दूर पत्थर को साथ लेकर चलता है। कुछ दूर और चलते हुए वह व्यक्ति अब थक जाता है परन्तु वह पत्थर को नीचे नही रख सकता था क्योंकि गुरूजी की आज्ञा का पालन करना है। उन्होंने कहा है कि पत्थर को साथ लेकर चलना है। बहुत तकलीफों के साथ वह चलता रहा। एक समय ऐसा आया कि वह पूरी तरह से थक चुका था। अब स्थिति ऐसी थी कि वह उस भार को क्या स्वयं उठ कर एक कदम भी चलने कि स्थिति में नहीं था। वह चिंतित एवं दु:खी होकर अब गुरूजी से बोल पड़ा कि गुरूजी इससे आगे ओर मैं नहीं चल पाऊंगा । क्षमा करें मैं आपके आदेश का पालन नहीं कर पा रहा हूँ, मैं आगे इस भार को लेकर नहीं चल पाऊंगा। मेरी जान निकली जा रही है। गुरूजी बोले बस... अरे पगले तू पहले ही कह देते की इस भार को लेकर मैं नहीं चल पा रहा हुँ। गुरूजी बोले.......नीचे रख पत्थर को और जैसे ही पत्थर को नीचे रखा तो उसकी सांस में सांस आई उसका दु:ख सुख में तबदील हो गया।

गुरूजी बोले कि मैने तेरे प्रश्न का उत्तर दे दिया है.... तू समझा नहीं। तब वह आश्चर्यचकित होकर बोला कि गुरूजी आपने मेरे प्रश्न का उत्तर कहां दिया है। मैं तो समझा नहीं.......गुरूजी बोले - जब तुमने पत्थर को उठाया तब तुम्हें इतना दर्द नही हुआ लेकिन कुछ ही क्षणों के बाद तुम्हें दर्द महसूस होना शूरू हुआ, कुछ ज्यादा दूरी तक तू पत्थर को उठा कर चला तो बहुत ज्यादा दर्द हुआ और अब तुम्हारी स्थिति ऐसी है कि तुम पत्थर को लेकर चल तो क्या उठा भी नहीं सकते। गुरूजी बोले कि यह सत्य है ना तब वह व्यक्ति बोला हाँ गुरूजी यह सत्य है, परन्तु आप क्या कहना चाहते हैं समझा नहीं। गुरूजी बोले कि तुम भी यही कर रहे हो। छोटी-छोटी बातों को अपने दिमाग में रखते हो। भूतकाल में जो तेरे साथ में अच्छा- बुरा हुआ उसे बार- बार दिमाग में रख अन्दर ही अन्दर स्वयं भार लेकर खुद का नाश कर रहे हो। परिवार वालों, सगे-संबधियों, दोस्तों ने जो बोला उसे विचार कर, मन में रखकर बार बार याद कर सोचता है । तो वो क्या है....... ये सब भार ही है जो तुम अपने दिमाग में रखे हुए हो, इसलिए तुम भारी होकर जीवन जी रहे हो, अगर इस भार को नीचे रख दो तो शायद मैं जैसे सुखी हूँ तुम भी वैसे ही सुखी हो जाओगे।

सफलता का सबक

पू. कैलाश 'मानव'

"जो व्यक्ति धैर्यवान है, वह मुश्किल काम में भी सफलता हासिल कर लेता है, धैर्य इंसान को ताकतवर बनाता है।"

आठ साल का एक लड़का गर्मी की छुट्टियों में अपने गांव आया। एक दिन दादाजी से बोला, मैं बड़ा होकर एक सफल आदमी बनूँगा। क्या आप सफलता के कुछ टिप्स दे सकते हैं? दादा जी ने लड़के का हाथ पकड़ा और उसे करीब की पौधशाला में ले गए।

वहां से वे दो छोटे-छोटे पौधे खरीदकर घर आ गए। उन्होंने एक पौधा घर के बाहर लगा दिया और एक पौधा गमले में घर के अन्दर रख दिया। "क्या लगता है तुम्हे, इन दोनों पौधों में से भविष्य में कौन सा पौधा अधिक सफल होगा?", दादा जी ने लड़के से पूछा। लड़का कुछ क्षणों तक सोचता रहा फिर बोला, "घर के अन्दर वाला पौधा ज्यादा सफल होगा क्योंकि वो हर एक खतरे से सुरक्षित है। करीब डेढ़ माह बाद छुट्टियाँ खत्म हो गयीं और लड़का वापस शहर चला गया। इस बीच दादाजी दोनों पौधों को सींचते रहे। समय बीतता गया। 3-4 साल बाद लड़का फिर गांव आया और दादा जी से बोला, दादा जी, पिछली बार मैंने आपसे सफल होने के कुछ टिप्स मांगे थे पर आपने तो कुछ बताया ही नहीं... इस बार आपको जरूर कुछ बताना होगा।" दादा जी मुस्कुराए और लड़के को वहां ले गए जहाँ उन्होंने गमले में पौधा लगाया था। अब वह पौधा बड़ा और फूलदार बन चुका था। लड़का बोला, देखा दादाजी मैंने कहा था न कि ये वाला पौधा ज्यादा सफल होगा..."अरे, पहले बाहर वाले पौधे का हाल भी तो देख लो...", और ये कहते हुए दादाजी लड़के को बाहर ले गए।

बाहर एक विशाल वृक्ष की छांव में राहगीर आराम कर रहे थे। बेटे, इस बात को याद रखो अगर तुम जीवन भर सुरक्षित विकल्प चुनते हो तो तुम कभी भी उतना आगे नहीं बढ़ पाओगे जितनी तुम्हारी क्षमता है, अगर तुम तमाम खतरों के बावजूद इस दुनिया का सामना करने के लिए तैयार रहते हो तो तुम्हारे लिए सब सम्भव है।

सर्दी में वृद्धजन रखें ख्याल

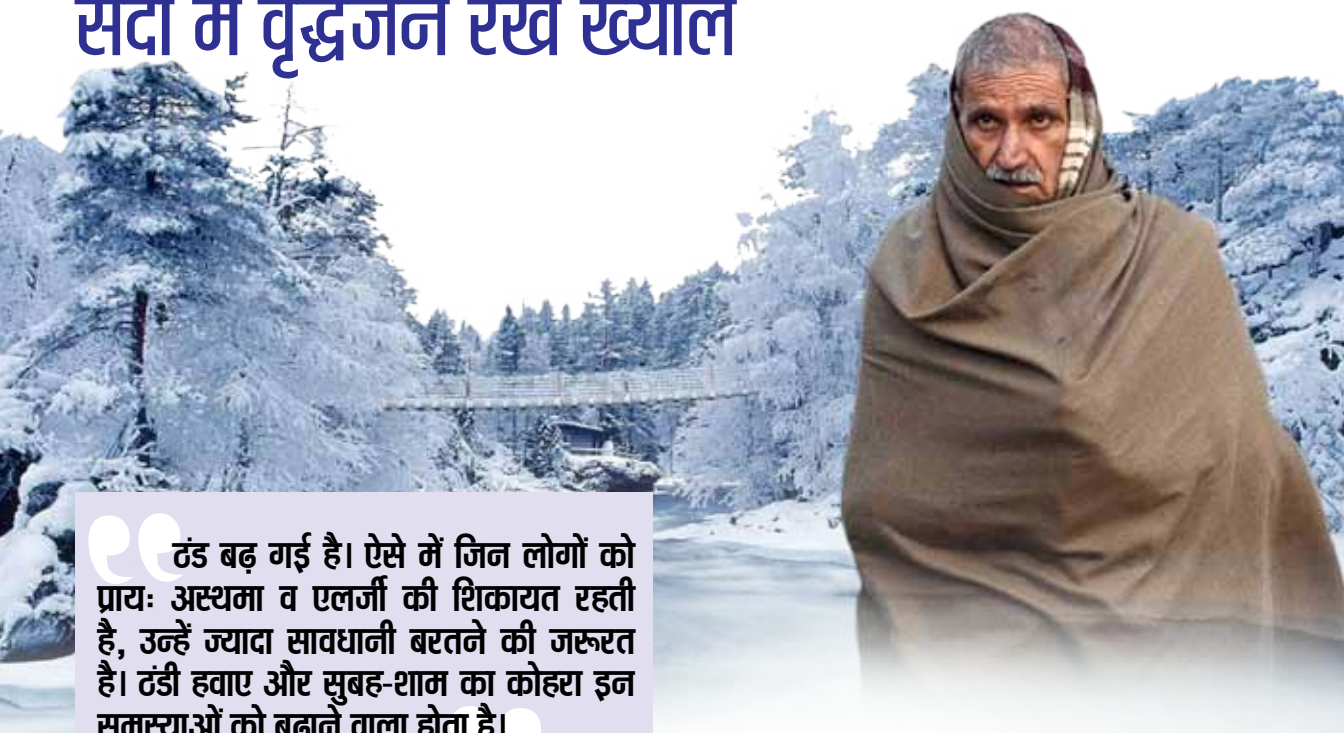

ठंड बढ़ गई है। ऐसे में जिन लोगों को प्रायः अस्थमा व एलर्जी की शिकायत रहती है, उन्हें ज्यादा सावधानी बरतने की जरूरत है। ठंडी हवाए और सुबह-शाम का कोहरा इन समस्याओं को बढ़ाने वाला होता है।

सर्दियों का मौसम सबसे ज्यादा परेशानी वाला वृद्धों अथवा उनके लिए होता है, जिन्हें फेफड़े संबंधी समस्या है या कमजोर हैं। इस मौसम में क्रोनिक, अब्सटैक्टिव पल्मनरी डिजीज, अंडरलाइन लंग डिजीज, ब्रोंकाइटिस, अस्थमा आदि का खतरा बढ़ जाता है। जिनके फेफड़े कमजोर होते हैं, उनमें इस मौसम में बैक्टिरियल और वायरल संक्रमण का खतरा अधिक बढ़ जाता है। धूल और ठंडी हवा से सांस की नली भी सिकुड़ सकती है, जिससे श्वास संबंधी तकलीफ बढ़ जाती है। ऐसे लोगों को एलर्जी के कारण छींक बहुत आती है। सांस लेने में तकलीफ होती है और कई बार वे हांफने लगते हैं। किसी भी गंध या धूल से परेशानी हो सकती है या छींक आ सकती है। ऐसे में तुरंत इलाज की जरूरत रहती है। फेफड़े या श्वास से जुड़ी समस्या हो या एलर्जी वालों का बुखार या खांसी-जुकाम जल्दी ठीक न हो तो डॉक्टर से जांच करवा लेनी चाहिए।

घर के भीतर - बाहर सर्दी से बचें जैसे धूल, परफ्यूम, पालतू जानवर के फर और बाल ठंडी हवाओं आदि के संपर्क में न आएं। घर में हल्के-फुल्के व्यायाम करें। जितना संभव हो सके, सीढ़ियां चढ़ें ताकि थोड़ा व्यायाम हो सके। डॉक्टर द्वारा बताए गए श्वास संबंधी व्यायाम जरूर करें।

इस मौसम में रूखी त्वचा वाले वृद्धों को अधिक परेशानी होती है। इनमें डर्मेटाइटिस, एग्जीमा आदि प्रमुख हैं। यही नहीं, त्वचा में दरारें, चकत्ते, संक्रमण आदि का भी खतरा रहता है। नमी की कमी त्वचा की इस स्थिति के लिए मुख्य रूप से जिम्मेदार होती है। वैसे त्वचा की प्रकृति और परेशानी के अनुरूप ही इसका उपचार होता है।

त्वचा को गर्म रखें और गर्म पानी का इस्तेमाल करें। त्वचा की नमी का भी पूरा ध्यान रखें। आहार में भी ऐसी चीजें शामिल करें, ताकि त्वचा की नमी बरकरार रहे। पानी खूब पीएं, पर्याप्त आराम करें, गर्म कपड़े पहनें। नाक, कान अच्छी तरह ढककर रखें।

आओ संवारें राहें ज़िन्दगी की

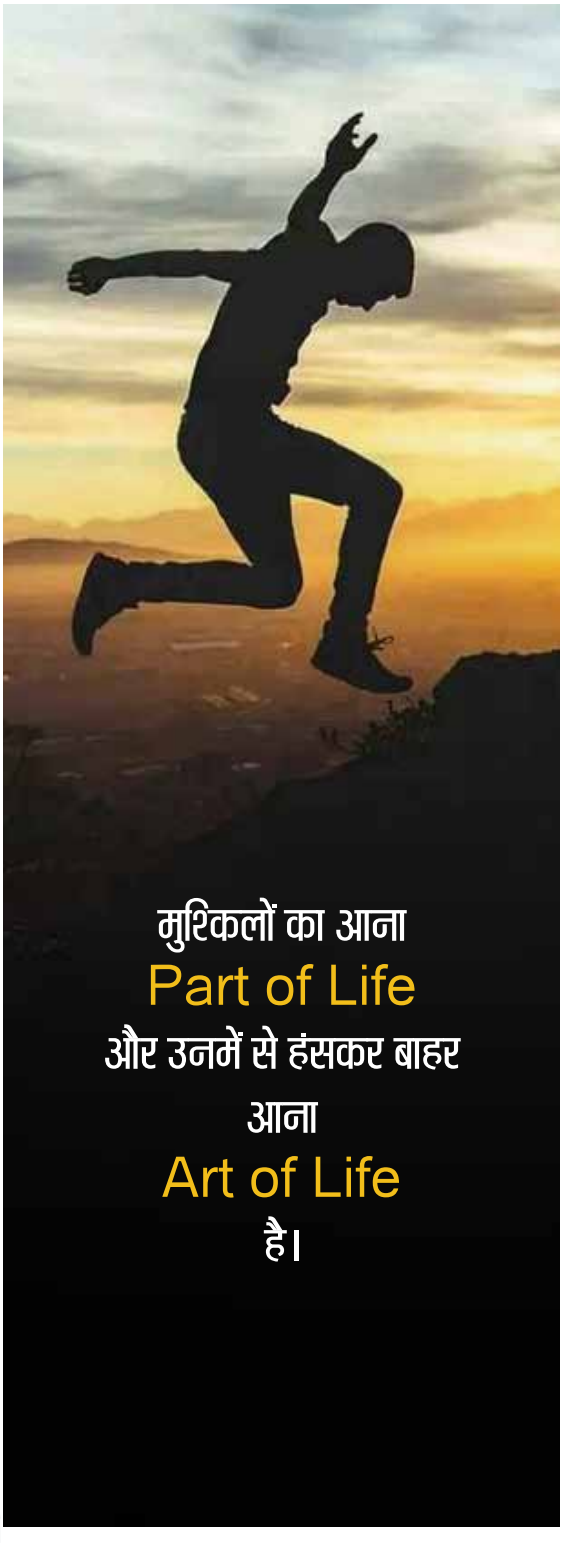

दिव्यांगजन को परिवहन सुविधाएं

दिव्यांगजन को परिवहन की सुविधा प्रदान करने लिए सरकार ने विभिन्न प्रावधान निर्धारित किए हैं। ट्रेन, बस या फिर हवाई जहाज में यात्रा करने वाले दिव्यांग यात्रियों के कुछ विशेष अधिकार भी हैं। दिव्यांग व्यक्ति को सिर्फ किराए में छूट की ही जानकारी होती है। ऐसे में हम बता रहे हैं -दिव्यांग यात्रियों के अधिकारों के बारे में।

दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकार अधिनियम, 2016 में उन्हें अन्य अधिकारों के साथ यात्रा का अधिकार भी है। कानून की धारा-41 के तहत यह प्रावधान है कि रेल, बस या हवाई यात्रा के दौरान दिव्यांगजनों के साथ किसी तरह का भेदभावपूर्ण व्यवहार नहीं हो। इसके लिए दिव्यांगजन को बस स्टॉप, रेलवे स्टेशनों और हवाई अड्डों पर पार्किंग स्थलों, शौचालयों, टिकट काउंटरों और टिकटिंग मशीनों तक पहुंच को मानकों के अनुरूप बनाया जाए।

व्हीलचेयर की सुविधा: एयरपोर्ट/रेलवे स्टेशन पर व्हीलचेयर की सुविधा अनिवार्य है। डीजीसीए द्वारा पिछले साल जारी निर्देशों के तहत दिव्यांग यात्रियों को विमान तक ले जाने और गंतव्य तक पहुंचाने के बाद निकास द्वार तक पहुंचाने की भी सुविधा विमानन कंपनी की है। इन सुविधाओं के लिए कंपनी अतिरिक्त शुल्क नहीं ले सकती।

सुरक्षा जांच में न हो परेशानी: डीजीसीए के निर्देशों मुताबिक, एयरपोर्ट पर दिव्यांग यात्रियों के कृत्रिम अंगों की सुरक्षा जांच की जा सकती है, लेकिन इस बात का ख्याल रखना होगा कि यात्री को कोई परेशानी नहीं हो।

ट्रेन में आरक्षण: आमतौर पर रेलगाड़ियों की आरक्षित टिकटें भरी होती हैं लेकिन रेलवे नियमों के अनुसार सभी ट्रेन में दिव्यांग यात्रियों के लिए कुछ सीटें आरक्षित होती हैं। इससे उन्हें टिकट लेने में ज्यादा परेशानी का सामना नहीं करना पड़ता है।

बसों में बैसाखी: बसों में दिव्यांग यात्री के लिए सीट आरक्षित रखने के साथ ही बैसाखी, व्हीलचेयर को बस में लाने एवं रखने की सुविधा भी देने का निर्देश है। ये सुविधाएं होने के बाद ही बस को फिटनेस प्रमाणपत्र देने का प्रावधान है।

अपमान करना अपराध: दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम के तहत किसी भी दिव्यांग को सार्वजनिक जगहों पर अपमानित करना, परेशान करना, धमकाना दंडनीय अपराध है। ऐसे में बस, ट्रेन, एयरपोर्ट जैसी सार्वजनिक जगहों पर कोई अपमानित करता है तो वह दंड का भागी होगा। दोषी पाए जाने पर व्यक्ति को पांच साल तक की कैद हो सकती है।

शांत मन से ही सभी सवालों के समाधान

अंशात मन की वजह से हम प्रश्नों के उत्तर तक पहुंच ही नहीं पाते, कुछ समय मौन धारण करने से हमारे भ्रम दूर होने लगते हैं और हमें सारे प्रश्नों के उत्तर स्वतः ही मिलने लगते हैं।

महात्मा बुद्ध जब उपदेश देते थे,उन्हें सुनने बड़ी संख्या मे शिष्यों के साथ अन्य लोग भी पहुंचते थे। एक दिन की बात है महात्मा बुद्ध प्रवचन दे रहे थे। तभी उनके पास एक व्यक्ति पहुंचा और उनसे बोला कि तथागत मेरे मन में कुछ प्रश्न हैं। कृपया मेरे प्रश्नों के उत्तर दें, ताकि मेरा मन शांत हो सके। बुद्ध ने उनसे कहा कि तुम्हारे प्रश्नों के उत्तर अवश्य दूंगा।

लेकिन तुम्हें एक साल तक मौन धारण करना होगा। उस व्यक्ति ने संशय से पूछा एक साल बाद आप मेरे प्रश्नों के उत्तर अवश्य देंगे न ? बुद्ध ने कहा, 'एक साल पश्चात तुम्हें अपने सारे प्रश्नों के जवाब मिलेंगे।

बुद्ध की बात सुनकर उस व्यक्ति ने मौन व्रत धारण करने का निश्चय किया। मौन की वजह से उसका मन एकाग्र होने लगा। वह ध्यान करने लगा। इससे मन भी शांत होने लगा। धीरे-धीरे उसके सभी प्रश्न समाप्त होने लगे। इस तरह एक साल बीत गया। समय की अवधि समाप्त होने के पश्चात बुद्ध ने उस व्यक्ति से कहा, 'अब तुम अपने सभी प्रश्न मुझसे पूछ कर अपनी जिज्ञासा को शांत कर सकते हो।' उसने बुद्ध से कहा कि एक वर्ष पहले उसके मन में कई प्रश्न थे, लेकिन अब सारे प्रश्न शांत हो गए हैं। अब उसके मन में कोई प्रश्न नहीं है।

बुद्ध मुस्कुराए और उस व्यक्ति से कहा कि जब तक हमारा मन शांत नहीं है, मन में अनेक प्रश्न उठते रहते हैं। अशांत मन की वजह से हम प्रश्नों के उत्तर तक पहुंच ही नहीं पाते हैं। कुछ समय मौन धारण करने से हमारे भ्रम दूर होने लगते हैं और हमें सारे प्रश्नों के उत्तर स्वतः ही मिलने लगते हैं। मन शांत हो जाता है, तो सभी प्रश्न भी स्वतः खत्म हो जाते हैं।

बीर को मिला कृत्रिम अंग लाया खुशियों के नव रंग

उत्तरप्रदेश, सहारनपुर के छोटे से गांव खैरसाल के एक गरीब परिवार में छः भाई-बहनों में जन्में बीर सिंह का दांया पैर जन्म से ही बांए पैर की अपेक्षा विकृत स्थिति अथवा छोटा था। पैरों के इस असंतुलन को देख पिता प्रकाश चन्द्र व माता बत्ती देवी के पैरों तले जमीन खिसक गई। यह देख परिवार सहित सभी सगे-संबधी दंग रह गए। बेटे के होने से परिजनों को खुशी तो हुई, परन्तु पांव की देखकर दुःख भी भारी हुआ। गरीब माता-पिता के लिए इस बड़े परिवार का भरण-पोषण ही मुश्किल हो रहा था कि बेटे की तकलीफ का आसमान टूट पड़ा। उम्र बढ़ने के साथ बीर की परेशानियां भी बढ़ती गई। 2005 में अचानक हार्टअटैक से पिता की मौत ने परिवार को तोड़ कर रख दिया। परिवार की जिम्मेदारी माँ और भाई पर आ पड़ी। छोटी सी उम्र में परिवार में सहयोग के लिए बीर ने सिलाई सिखी। जैसे-जैसे समय बीतता गया बीर ने परिवार की जिम्मेदारियों को संभालना शुरू किया। इसी बीच सूई-धागे से माला पिरोते हुए सुनीता से मिलन हुआ, वो भी एक पांव से विकलांग थी। दोस्ती कब प्यार में बदली और बड़े भाई-बहिन के साथ बीर ने भी शादी कर ली। शादी के बाद सब कुछ ठीक चल ही रहा था कि अचानक माँ की तबियत खराब होने पर उपचार हेतु अस्पताल लेकर गए। जाँच में पता चला कि माँ को पेट संबंधित बीमारी है। ड़ॉक्टरो ने बताया कि बचने का एकमात्र विकल्प ऑपरेशन ही है। कर्ज लेकर माँ का ऑपरेशन भी करवाया परन्तु नियती को उनका बचना मंजूर नहीं था, ऑपरेशन के दोरान माँ की मृत्यु हो गई। सिर से मां-बाप का साया उठ गया। बीर दिव्यांगता व समय की मार से जूझ ही रहा था कि मानव सेवा में समर्पित नारायण सेवा संस्थान का सहारनपुर में विशाल निःशुल्क जाँच, चयन एवं कृत्रिम अंग माप शिविर का आयोजन हुआ। वहां से संस्थान की जानकारी लेकर 6 अक्टूम्बर को बीर उदयपुर आये। जहां ड़ॉक्टरों ने माप लेकर 8 अक्टूबर को विशेष कृत्रिम पांव तैयार कर पहनाया। साथ ही लगाने - उतारने व चलने - फिरने की ट्रेनिंग दी। कृत्रिम पैर लगते ही उनके चेहरे पर खुशी की लहर दौड़ पड़ी। बीर बताते हैं कि संस्थान ने मुझे अपने पैरों पर खड़ा कर चलने लायक बना दिया कृत्रिम पैर लगने और मुझे चलता देख परिजन बहुत प्रसन्न हैं।

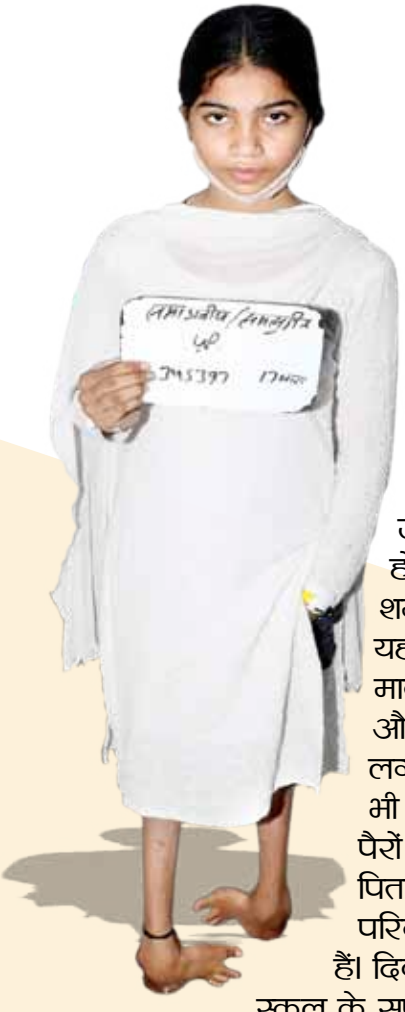

खुशियों की रोशनी से जगमगा उठी 'शमा'

जन्मजात पोलियो के शिकार होने के कारण दोनों पांवों के पंजो में टेढ़ापन और पीछे की ओर मुड़े होने से चलने-फिरने में बहुत परेशानी होने लगी। दुःख की यह दासता (उ.प्र.) रामपुर जिले की स्वार तहसील मजरा ढूंदावाला निवासी शमा परवीन (18) की है।

छः भाई-बहिनों में शमा घर में सबसे छोटी है। जन्म के शुरूआती दौर से पोलियोग्रस्त होने से चलने-फिरने में असमर्थ थी। पिता शमशाद अली व माता नसीबजहां बेटी की यह दशा देख दिन-रात रोते ही रहते थे। माता-पिता ने रामपुर, काशीपुर, मुरादाबाद और आस-पास के अस्पतालों में चक्कर लगाए परन्तु ठीक से उपचार नहीं मिला। जहां भी जाते प्लास्टर चढ़ा देते, अभी तक 9 बार पैरों पर पट्टे बांधे पर कुछ भी सुधार नहीं हुआ। पिता खेती में मजदूरी व भाई कारपेन्टरी कर परिवार का गुजारा बड़ी मुश्किल से चला रहे हैं। दिव्यांग बेटी की बढ़ती उम्र के साथ अक्षमता। स्कूल के सपने सब छूटने लगे। परेशान चिंतित माता-पिता को उसके भविष्य की चिंताओं ने घेर लिया। परिवार में दुःख, दर्द और आंसुओं ने मानों डेरा डाल दिया था।

सितम्बर 2021 में किसी रिश्तेदार की सलाह पर शमा नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर पहुंची। 19 सितम्बर 2021 को पहले पांव व 25 अगस्त 2022 को दोनों पेरों के सफल ऑपरेशन किये गये। पीएण्डओ टीम द्वारा सार्थक लाभकारी विजिंग के बाद विशेष केलीपर पहनाये गये। 2 साल के सफल चिकित्सा प्रयासों के बाद शमा खुशियों की रोशनी से जगमगाने लगी, मानो अंधियारा मिट चुका था।

अब कैलिपर के सहारे आराम से चलती है। शमा को चलते-फिरते देख माता-पिता के आंखों से खुशी के आंसू छलक पड़े। सभी बहुत प्रसन्न हैं। परिजन कहते हैं कि शमा जिंदगी से हार बैठी थी, लेकिन नारायण सेवा संस्थान ने उसे न सिर्फ पांवो पर खड़ा किया, बल्कि जीने का होसला भी दिया।

गुरूकुल के जगमगाते नन्हे सितारे

वैदिक संस्कारों के संरक्षणार्थ 'नारायण गुरूकुल' का शुभारंभ

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक जी गहलोत की पहल पर इस बार राज्य के हर जिले में प्रशासनिक अधिकारियों, वृद्धाश्रम में आवासित वृद्धजन तथा जनप्रतिनिधियों ने निराश्रित बच्चों के साथ सामूहिक रूप से दीपोत्सव मनाया। उदयपुर में जिला प्रशासन ने इस आयोजन की मेजबानी नारायण सेवा संस्थान को प्रदान की। इस मौके पर वैदिक संस्कारों के शिक्षण-प्रशिक्षण और संरक्षण के लिए 'नारायण गुरूकुल' का भी शुभारंभ हुआ।

मुख्यमंत्री अशोक जी गहलोत ने इस बार राज्य के सभी जिलाधिकारियों को निराश्रित बच्चों के साथ दीपोत्सव मनाने के निर्देश दिए और इसमें जनप्रतिनिधियों को भी शामिल करने की अनूठी पहल की। उदयपुर में जिलास्तरीय समारोह का सेवा महातीर्थ, बड़ी में वैदिक मंत्रों के समवेत उच्चारण के बीच मुख्य अतिथि वल्लभनगर विधायक श्रीमती प्रीति गजेन्द्र सिंह शक्तावत, जिला कलेक्टर श्री ताराचंद जी मीणा, एडीजे श्री कुलदीप जी शर्मा, संस्थान संस्थापक श्री कैलाश जी 'मानव' व अध्यक्ष सेवक प्रशांत भैया ने किया। इस मौके पर वैदिक संस्कारों के शिक्षण-प्रशिक्षण व संरक्षा के लिए 'नारायण गुरूकुल' का शुभारंभ भी सम्पन्न हुआ। संस्थान अध्यक्ष सेवक प्रशांत भैया ने अतिथियों, जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों का स्वागत किया।

इन संस्थाओं से बच्चे हुए शामिल

भगवान महावीर निराश्रित गृह, मनु सेवा संस्थान, किशोर निराश्रित गृह, जीवन ज्योति निराश्रित गृह, मीरा निराश्रित गृह, महिला मंडल आसरा विकास संस्थान, देवाली होम तथा तारा संस्थान वृद्धाश्रम में आवासित वृद्धजन।

अधिकारी व जनप्रतिनिधि

निराश्रित बच्चों - वृद्धजन के साथ दीपोत्सव के इस आयोजन में विशिष्ट अतिथि एसडीएम गिर्वा सलोनी खेमका, एसडीएम बड़गांव मोनिका जाखड़, डॉ. दिव्यानी कटारा, डॉ. शैलेन्द्र पण्ड्या, विवेक कटारा, पंकज शर्मा, मीना शर्मा, के.के.

चन्द्रवंशी, गोपाल कृष्ण शर्मा, पूर्व विधायक त्रिलोक पूर्बिया, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के उप निदेशक मानधाता सिंह थे। आयोजन का समापन निदेशक श्रीमती वंदना अग्रवाल के निर्देशन में बच्चों एवं वृद्धजन के सामूहिक गीत-नृत्य के साथ हुआ। संयोजन ट्रस्टी देवेन्द्र चौबीसा ने व आभार जगदीश आर्य ने व्यक्त किया। अतिथियों - जनप्रतिनिधियों व प्रशासनिक अधिकारियों ने बच्चों के साथ आयोजन स्थल पर दीप जलाए। उन्हें उपहार व पटाखों के पैकेट भेट दिए। बाद में सभी ने एक साथ स्नेह भोज किया।

गोरखपुर में 351 सहायक उपकरण वितरित

301 दिव्यांग कृत्रिम अंग - केलीपर से लाभान्वित व 87 का ऑपरेशन के लिए हुआ चयन

अमर-उजाला फाउण्डेशन व महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद गोरखपुर के सौजन्य से 29 अक्टूबर को महाराणा प्रताप इंटर कॉलेज, गोरखपुर में संस्थान के तत्वावधान में विशाल सहायक उपकरण एवं कृत्रिम अंग-केलीपर वितरण शिविर सम्पन्न हुआ। मुख्य अतिथि राज्य के केबीनेट मंत्री डॉ. संजय निषाद थे। अध्यक्षता विधान परिषद सदस्य डॉ. धर्मेन्द्र सिंह ने की। विशिष्ट अतिथि उप्र व्यापारी कल्याण बोर्ड के उपाध्यक्ष श्री पुष्पदंत जैन, विधायक श्री विपिन सिंह, विधायक श्री प्रदीप शुक्ला, विधायक श्री गणेश चौहान, ऐस्पा फाउण्डेशन के अध्यक्ष श्री अतुल सरार्फ थे।आरम्भ में अतिथियों का स्वागत संस्थान अध्यक्ष सेवक प्रशान्त भैया ने करते हुए कहा कि गुरू गोरखनाथ की पुण्य धरा पर सेवा कार्य कर संस्थान अपने को धन्य मानता है। संस्थान आप सबके महनीय सहयोग व ईश्वर कृपा से ही गरीब व दिव्यांगजन के हितार्थ सेवा कार्य कर पा रहा है। उन्होंने अतिथियों का मेवाड़ की परम्परा अनुसार पाग व उपरने से सम्मान किया। निदेशक वंदना अग्रवाल ने संस्थान के विभिन्न निःशुल्क सेवा प्रकल्पों की जानकारी दी। संस्थान के मुख्य पीएण्डओ डॉ. मानस रंजन साहू, पीएण्डओ डॉ. रोली शुक्ला, टेक्नीशियन सर्वश्री नाथू सिंह, भंवर सिंह, लोकेन्द्र सिंह, नरेश वैष्णव, महेन्द्र कुमार, करण मीणा व किशन सुथार ने कृत्रिम अंग फिटमेंट में सहायता की। मंच संचालन महिम जैन ने किया। प्रबंधन में रोहित तिवारी, नरेन्द्र सिंह चौहान, मुकेश शर्मा, जसबीर सिंह, हरिप्रसाद लढ्ढा, रोनक

माली, सुनील श्रीवास्तव, कपिल व्यास, हरीश रावत,फतेहलाल, अनिल पालीवाल, बंशीलाल मेघवाल, मुन्ना सिंह, सत्यनारायण, मुकेश गुर्जर व गोपाल स्वामी ने सहयोग किया।

अंग वितरण	
कृत्रिम हाथ-पैर	176
केलीपर	125
कुल	301
सहायक उपकरण	
ट्राईसाइकिल	197
श्रवण यंत्र	122
व्हील चेयर	16
वैशाखी	09
स्टीक	06
वॉकर	01
कुल	351

करेंट ने छीने मासूम के हाथ-पांव

संस्थान ने कृत्रिम पैर के सहारे अंकुश को खड़ाकर दिया

मझगांवा, गगहा तहसिल गोरखपुर (उ.प्र.) निवासी संजय मौर्य कोरोना में बेरोजगारी व परिवार के पालन-पोषण से परेशान तो था ही कि एक दिन काल बनकर ऐसा आया जिसने पुरे परिवार की खुशीयों को तहस-नहस कर दिया। 9 जुन 2020 की दोपहर 1 बजे के बीच छोटा बेटा अंकुश (13) घर से पास की दूकान पर सामन लेने के लिए निकला ही था की घर के बाहर से गुजर रही 11000 हाईवॉल्टेज लाइन ने चपेट में ले लिया। करेंट लगने से अंकुश तड़पने लगा, चीखें सुन बड़ा भाई आया। अंकुश को बचाने के प्रयास में वह भी चपेट में आ गया। दो मासूम जिन्दगियों को झुलझते देख आस-पास के लोग भी हर संभव प्रयास कर रहे थे कि इतने में बच्चों के मामा गौरव कुमार (25) ने बड़ी मशकतों के बाद दोनों को बचा लिया। परन्तु इस हृदयविदारक घटना में गौरव की तत्काल ही मौत हो गयी। यह घटना बहुत ही खौफनाक थी। परिजनों ने बच्चों को गोरखपुर मेडिकल अस्पताल में भर्ती करवाया जहां उपचार के दौरान अंकुश के दोनों पांव व बायां हाथ और आदित्य का दायां हाथ काटना पड़ा। हंसती-खेलती दो मासूम जिंदगियाँ लाचार हो गई। माता पिता को दोनों बेटों की चीखने-चिल्लाने की आवाजें जीते जी मारे जा रही थी। रोते बिलखते पिता बेटों के उपचार में लिए कर्ज को ऑटो चला व माता रूबी देवी दुसरों के घरों में काम कर उतार ने को मजबूर थे। दोनों बच्चों की पढ़ाई भी छूट गया। जीवन अँधेरे से घिर गया। इसी बीच अमर उजाला अखबार से सूचना मिली कि 30 सितम्बर को महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद्, गोरखपुर में उदयपुर स्थित नारायण सेवा संस्थान का निःशुल्क दिव्यांग जांच, चयन एवं माप शिविर होने वाला है। माता-पिता अंकुश को शिविर में लेकर आए जहां दोनों पैरो का माप लिया गया। फिर एक माह बाद 29 अक्टूबर को शिविर लगा। संस्थान ने दोनों पैरों में विशेष कृत्रिम पांव तैयार कर फिट किये। माता-पिता बताते है की अब उसे चलते-फिरते देख हमें बहुत खुशी होती है। दूसरे बच्चों की तरह अंकुश फिर से स्कूल जायेगा।

शहर-शहर सेवा की दस्तक

संस्थान द्वारा देश के अनेक नगरों में अक्टूबर माह में निःशुल्क कृत्रिम अंग व कैलीपर्स माप, वितरण एवं ऑपरेशन चयन के लिए शिविर लगाए गए। ताकि जन्मजात एवं हादसों के शिकार बने दिव्यांगजन स्वयं चल-फि र सकें, अपना काम कर सकें और आत्म निर्भर बन कर जीवन का व्यवस्थित रूप से निर्वाह कर सकें।

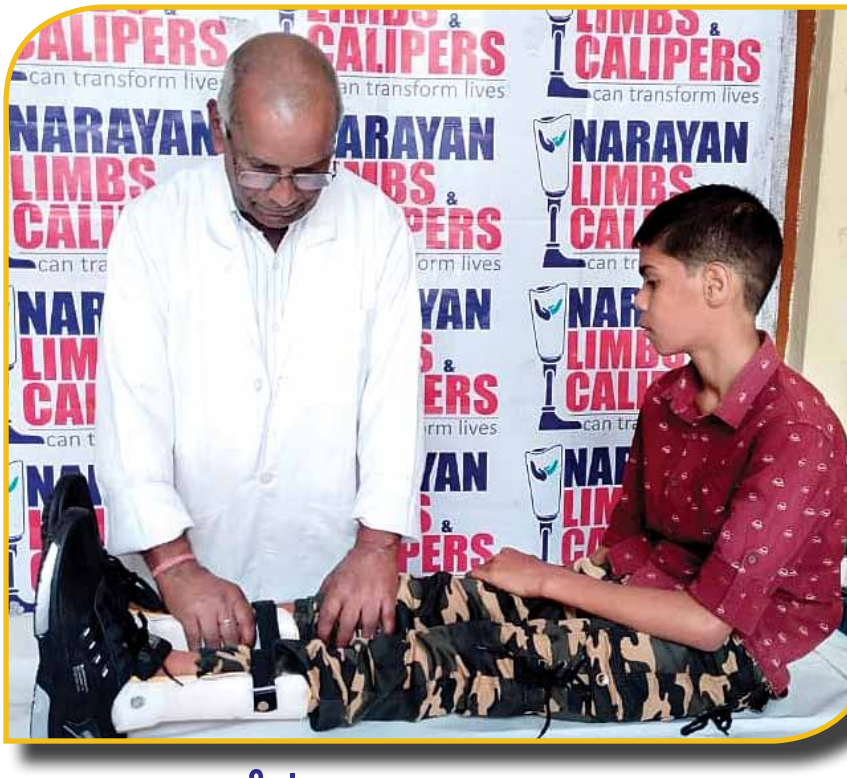

» **कैथलः** राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर जी शास्त्री जी के बताये सेवा, सहयोग, परहित के मार्ग का अनुसरण करते हुए 2 अक्टूबर को गर्ग मनोरोग हॉस्पीटल में केथल शाखा के सेवामयी प्रयासों से विशाल निःशुल्क दिव्यांग जांच, चयन एवं नारायण लिम्ब माप शिविर सर्वजन हिताय, परमार्थ के आयोजन के रूप में हुआ। कुल 90 पंजीयन में से पीएण्डओ डॉ. रितु पर्णा जी एवं टीम ने 40 दिव्यांगों के कृत्रिम अंग बनाने एवं 8 दिव्यांगों के जीवन में ऑपरेशन द्वारा उम्मीद की नई किरण जगाने हेतु डॉ. सिद्धार्थ लाम्बा ने चयन किया। वही सरलता सुवामता, सहजता से चलने हेतु 26 दिव्यांगों के पैरों में केलिपर बनाने हेतु माप लिया गया। मुख्य अतिथि प्रमुख समाज सेवी श्री सुधीर मेहता थे। अध्यक्षता श्री गगन जी चावला ने की। मंच पर विशिष्ट अतिथि के रूप में सर्वश्री कृष्ण कुमार भारती सहायक कलेक्टर, श्रीमती दया गुप्ता व महंत रमनपुरी मौजूद थे। संचालन लालसिंह भाटी व आभार प्रदर्शन मुकेश त्रिपाठी ने किया।

» **श्रीगंगानगरः** श्रीगंगानगर (राज.) क्लब में 17 अक्टूबर को श्री कमल जी नारंग व श्रीमती बिन्दु जी गोस्वामी के सहयोग से नारायण कृत्रिम अंग वितरण शिविर लगाया गया। जिसमें 22 दिव्यांगजन को कृत्रिम अंग व 8 को केलीपर्स का वितरण किया गया। मुख्य अतिथि पुलिस उपअधीक्षक श्री विक्की नागपाल व विशिष्ट अतिथि सर्वश्री डॉ. प्रेम बजाज, विश्वजीत सिंह, पंजाबी महासभा के अध्यक्ष वीरेन्द्र कुमार, संजीव चुघ, अंकुर मिगलानी, कमल नारंग एवं कृष्ण कुमार नाई थे। अध्यक्षता श्री विजय गोयल ने की। संचालन मुकेश शर्मा ने किया।

» **भायंदरः** संस्थान की भायंदर (महाराष्ट्र) शाखा द्वारा 8 अक्टूबर को ओसवाल बगीची में कृत्रिम अंग वितरण शिविर आयोजित किया गया। जिसमें 35 कृत्रिम अंग व 40 कैलीपर का दिव्यांगजन को वितरण किया गया। मुख्य अतिथि समाज सेवी श्री उमराव सिंह ओस्तवाल थे। अध्यक्षता श्री कांतिलाल बाबेल ने की। शिविर

प्रभारी हरिप्रसाद लड्ढा के अनुसार विशिष्ट अतिथि सर्वश्री कमलचंद लोढ़ा शाखा संयोजक, राजेन्द्र चाण्डक, मोजेश चीनप्पा, शकेन्द्र छाजेड़ व मदन सिंह थे। अतिथियों का स्वागत भायन्दर आश्रम प्रभारी मुकेश सेन ने व संचालन गोरेगांव आश्रम प्रभारी ललित लोहार ने किया।

» ऊधमसिंह नगरः उत्तराखंड के ऊधमसिंह नगर स्थित ओली सीमेंट एजेन्सी परिसर में 9 अक्टूबर को नारायण कृत्रिम अंग वितरण शिविर सम्पन्न हुआ। जिसमें 24 कृत्रिम अंग व 11 केलीपर वितरित किए गए। मुख्य अतिथि एसडीएम श्री संजीव विष्ट थे। अध्यक्षता इस्टर कम्पनी के एचआर मैनेजर श्री अजय मेहता ने की। विशिष्ट अतिथि श्रीमती जानकी देवी, ममता देवी व श्री धर्मचंद ओली थे। संचालन श्री अखिलेश अग्निहोत्री ने किया।

» जलेसरः अग्रवाल सेवा सदन, जलेसर (उप्र) में 16 अक्टूबर को श्री हरिओम जी अग्रवाल के सहयोग से नारायण कृत्रिम अंग वितरण शिविर आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि अग्रवाल

समाज अध्यक्ष श्री गोपाल कृष्ण अग्रवाल थे। अध्यक्षता कोषाध्यक्ष श्री सुनील चंद्र अग्रवाल ने की। अतिथियों ने 8 दिव्यांगजन को कृत्रिम अंग व 9 को केलीपर का वितरण किया। विशिष्ट अतिथि सर्वश्री भजनलाल कुशवाह, विजय गर्ग, अनिल बंसल, हरिओम अग्रवाल व शाखा प्रेरक आगरा श्री जेपी अग्रवाल थे। संचालन व अतिथियों का स्वागत प्रभारी श्री अखिलेश अग्निहोत्री ने किया।

» ग्वालियर लॉयन्स क्लब एवं आस्था कैंसर हॉस्पीटल ग्वालियर (मप्र) के सौजन्य से 16 अक्टूबर को कृत्रिम अंग वितरण शिविर सम्पन्न हुआ। जिसमें 47 कृत्रिम अंग व 17 कैलीपर वितरित हुए। मुख्य अतिथि महापौर शोभा सिकरवार थी। अध्यक्षता लॉयन्स क्लब के पूर्व प्रान्तपाल श्री नितिन मांगलिक ने की। विशिष्ट अतिथि सर्वश्री रामकृष्ण सिंघल, तालिब खान, रमेश श्रीवास्तव, श्रीमती शिल्पी व श्रीमती शालिनी थीं। संचालन श्री हरिप्रसाद लड्ढा ने किया।

» अंकलेश्वर कला मंदिर ज्वेलर्स लि, सूरत व परम केमिकल अंकलेश्वर (गुजरात) के सौजन्य से 26 सितम्बर को श्रीमती जया बेन मोदी हॉस्पीटल में विशाल निःशुल्क ऑपरेशन चयन, कृत्रिम अंग एवं कैलीपर माप शिविर सम्पन्न हुआ। जिसमें पी.एण्ड.ओ. डॉ. रोली शुक्ला व डॉ. धीरेन जोशी के निर्देशन में टेक्नीशियन टीम ने 140 दिव्यांगजन के कृत्रिम अंग व 31 के कैलीपर बनाने के माप लिए। डॉ. एस.एल. गुप्ता ने निःशुल्क सर्जरी के लिए 22 दिव्यांगजन का चयन किया। मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक एवं पूर्वमंत्री श्री ईश्वर भाई पटेल थे। अध्यक्षता अंकलेश्वर इण्डस्ट्रीज एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री जसुभाई चौधरी ने की। विशिष्ट अतिथि सर्वश्री कमलेश भाई उडानी, अशोक पंजवानी, बी.एस. पटेल, के.एम. राजपूत, सुरेश नहार, अर्पण सुरति, पंकज भरवाड़ा, डॉ. विशाल मोदी, दीपक नहार, श्रीमती दक्षा बेन विरहलानी, नाथू भाई दारिक जी थे। अतिथियों का स्वागत-सम्मान स्थानीय आश्रम प्रभारी श्री अचल सिंह भाटी ने व संचालन शिविर प्रभारी श्री मुकेश शर्मा ने किया।

झीनी-झीनी रोशनी (44)

नारायण सेवा संस्थान के संस्थापक - चेयरमैन पूज्य गुरूदेव श्री कैलाश जी 'मानव' का सेवा संस्कारों से पोषित जीवन समाज के लिए अनुकरणीय है। श्री कैलाश जी के निकट रहे वरिष्ठ पत्रकार श्री सुरेश गोयल ने उनके जीवन-वृत को 'झीनी-झीनी रोशनी' पुस्तक में प्रस्तुत किया है।

इसी बीच डॉ.खत्री ने उसे बुला लिया। पास के किसी गांव में एक ग्रामीण के पेट में बैल ने सींग मार दिये थे, उसकी आंतें फट गई थी बड़ा ऑपरेशन था। कैलाश ने मास्क लगा कर आपरेशन थियेटर में प्रवेश किया। जीवन में पहली बार शरीर के अन्दर का हिस्सा देख कर वह आश्चर्यचकित रह गया। भगवान की लीला भी अनूठी है, बाहर से भले-चंगे नजर आने वाले शरीर की आंतरिक रचना ऐसी जटिल होती है कोई कल्पना भी नहीं कर सकता।

डॉक्टर ने अपने हाथों से आंतों के एक सिरे को उठा कर मरीज के पेट पर रख दिया, आंत जगह- जगह से फट गई थी, उसे उठा कर वे जगह - जगह उसकी सिलाई करने लगे। जगह - जगह खून, चिपचिपा पदार्थ, आंतें वगैरह देखना हर किसी के लिये आसान नहीं होता, कई मेडिकल छात्र तक पहली बार शरीर की चीर-फाड़ देखकर बेहोश हो जाते हैं मगर कैलाश के साथ ऐसा कुछ नहीं हुआ, उल्टे वह सोच रहा था कि हर व्यक्ति को एक बार तो इस तरह आपरेशन होते देखना ही चाहिये ताकि उसे मानव शरीर की वास्तविकता का एहसास हो। कैलाश नियमित रूप से अस्पताल जाता था मगर सरकारी कामकाज, अन्य व्यस्तताओं के कारण कभी नहीं भी जा पाता था। ऐसे ही एक दिन जब वह अपने घर पर सो रहा था, तब रात के 11 बजे के आसपास किसी ने दरवाजा खटखटाया। कैलाश की नींद खुल गई और वो उठ बैठा, मकान किराये का था, वो सोचने लगा इतनी रात कौन दरवाजा खटखटायेगा, सोचा जरूर किसी पड़ौसी के यहां कोई आया होगा, दरवाजे की खटखटाहट जारी रही तो वह उठा। नींद में ही उंघते हुए उसने दरवाजा खोला तो सामने एक व्यक्ति खड़ा था। वह उससे कुछ पूछे इसके पहले ही आगन्तुक बोल पड़ा - आज आप अस्पताल नहीं आये, मेरी बेटी आपको याद कर रही है और बहुत रो रही है। वह रोटी भी नहीं खा रही है और बराबर कहे जा रही हैं कि भाई साहब नाराज हो गये लगते हैं, इसीलिये नहीं आये।

संस्थान के दानवीर भामाशाहों का हार्दिक आभार

श्री चन्द्रभान सोनवान
नागपुर (महाराष्ट्र)

श्री दिलीप भाई बाबुलाल शाह
सूरत (गुजरात)

श्रीमती वनिता बेन सोमा भाई
पटेल, सूरत (गुजरात)

अलीना टोरंटो
कनाडा

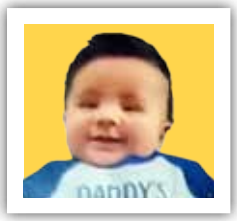

एडेन टोरंटो
कनाडा

सेवा प्रेरक-साध्वी माता यजानन्दा,
फरीदाबाद (हरियाणा)

शाखा संयो.-श्री कमल चंद लोढ़ा,
भाईंदर वेस्ट (महाराष्ट्र)

सेवा प्रचारक-श्री रमेश शर्मा,
कांगड़ा (हिमाचल प्रदेश)

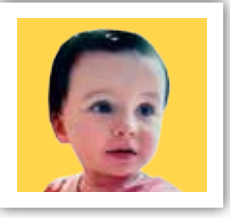

कियारा, लंदन

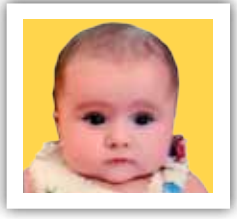

अनिका, लंदन

स्व. सर्वश्रीमती सुषमा कक्कड-पोरबंद, रमेश
चौपड़ा-यमुना नगर, निर्मल कपुर-अम्बाला शहर

श्री योगेन्द्र सिंह माथुर
उत्तरकाशी (उत्तराखण्ड)

सफलता के लिए परिश्रम

तीन महिलाएं लकड़ी का गट्ठर लेकर लौट रही थीं कि तभी आपसी बातचीत में एक महिला अपने पुत्री की प्रशंसा करते हुए बोली, मेरी बेटी बहुत ही सुरीला गाती है। सच में खूब मधुर आवाज है उसकी। यह सुन दूसरी महिला ने कहा -मेरी बेटी तो बहुत ही तेज दौड़ती है, घोड़े से भी तेज। तीसरी महिला चुप थी तो उन्होंने पूछा- तुम्हारी पुत्री में कौनसे गुण हैं, तुम भी बताओ तो तीसरी महिला बोली -क्या बोलूं , मेरी पुत्री में तो इस तरह का कोई भी गुण नहीं है। महिलाएं आगे बढ़ी तो एक लड़की गाना गाती हुई उनके सामने से निकली तो पहली महिला बोली देखो कितना सुंदर गाती है मेरी बेटी। कुछ देर बाद एक लड़की उसी रास्ते से हवा से बातें करता दौड़ती हुई जा रहा थी, उसे देख दूसरी महिला बोली, यह देखो कितनी तेज गति से दौड़ रही है, मेरी बेटी। थोड़ी ही देर में तीसरी महिला की बेटी आई और उसने अपनी मां के सिर से लकड़ी के गट्ठर का बोझ अपने सिर ले लिया और उनके साथ-साथ चलने लगी। यह देख दोनों महिलाओं की नजरें शर्म से झुक गईं और उन्हें समझ में आ गया कि वास्तव में तो यही गुणवान है, जिसने अपनी मां का बोझ अपने सिर ले लिया। न कि उनकी पुत्रियां जिन्होंने अपनी मां को बोझा ढोते देखकर भी अनदेखा कर दिया।

हार्दिक श्रद्धांजलि

संस्थान के सम्माननीय दानदाता लुधियाना निवासी श्री हीरा लाल जी जैन का आकस्मिक निधन 28 अक्टूबर - 2022 को हो गया। आप बहुत ही मिलनसार, कर्त्तव्यनिष्ठ एवं सेवाभावी व्यक्ति थे, उनके सेवाकार्य सदैव स्मरणीय रहेंगे। वे कई संस्थाओं से सम्बद्ध थे। कल्पसूत्र की वांचना भी प्रदान करते थे। संस्थान संस्थापक पूज्य कैलाश जी 'मानव' ने श्री हीरा लाल जी जैन को श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए कहा कि ईश्वर उनकी आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान देवें एवं परिवार को इस दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें। वे अपने पीछे रूबी - दीपक ओसवाल (पुत्र - पुत्रवधू), रिदम - चिराग ओसवाल (पौत्र-पौत्रवधू), आरती - शशिकांत जैन (पुत्री दामाद), पूजा - रोहित जैन, दीपिका - अंकित जैन (पौत्री - पौत्री दामाद), खमिस जैन (पड़ पौत्र) एवं लाला मिलखी राम धनी राम हर नारायण दास जैन परिवार (कसूरवाले) सहित भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं।

अंतहीन संभावनाएं - दिव्यांगता राह

कृपया 1 लाख रू. का सहयोग देकर अपने परिजनों का नाम स्वर्ण अक्षरों में अंकित कराएं

चिकित्सा

- निदान (एक्स रे, ओपीडी, लैब)
- उपचार (कृत्रिम अंग और कैलिपर्स)
- पोस्ट ऑपरेटिव केयर (वार्ड, आईसीयू)
- चिकित्सा सहायता (फार्मेसी एवं फिजियोथेरेपी)

स्वावलम्बन

- हस्तकला और शिल्पकला
- सिलाई प्रशिक्षण
- कंप्यूटर प्रशिक्षण
- मोबाइल फोन रिपेयर प्रशिक्षण
- नारायण चिल्ड्रन एकेडमी (निःशुल्क डिजिटल स्कूल)

- 450 बेड का निःशुल्क सेवा हॉस्पीटल
- 7 मंजिला अतिआधुनिक सर्वसुविधायुक्त
- निःशुल्क ओपीडी,जांच एवं शल्य चिकित्सा
- निःशुल्क कृत्रिम अंग निर्माण कार्यशाला

त के विभिन्न आयाम

सशक्तिकरण

- दिव्यांग विवाह समारोह
- दिव्यांग हीरोज
- दिव्यांग खेल अकादमी
- दिव्यांग संगोष्ठी - सेमिनार
- इंटर्नशिप वॉलंटियर

सामुदायिक सेवाएं

- आदिवासी और ग्रामीण शिक्षा
- वस्त्र वितरण
- दृश्य एवं श्रवण बाधित के लिए आवासीय विद्यालय
- भोजन सेवा
- राशन वितरण
- कंबल वितरण
- दवा वितरण

- प्रज्ञाचक्षु , विमंदित, मूकबधिर, अनाथ एवं निर्धन बच्चों का निःशुल्क आवासीय विद्यालय
- व्यावसायिक प्रशिक्षण • बस स्टेण्ड से मात्र 700 मीटर दूर • रेल्वे स्टेशन से 1500 मीटर दूर

भारत में संचालित संस्थान शाखाएं

राजस्थान

पाली
श्री कान्तिलाल मूथा,07014349307
31, गुलजार चौक, पाली मारवाड़

श्री मनोज कुमार मेहता,
मो.-09468901402
मकान नं. 5डी-64, हाउसिंग बोर्ड जोधपुर रोड के पास, पानी की टंकी, पाली

भीलवाड़ा
श्री शिव नारायण अग्रवाल
09829769960 C/o नीलकण्ठ पेपर स्टोर, L.N.T. रोड़, भीलवाड़ा-311001

बहरोड़
डॉ. अरविन्द गोस्वामी,09887488363
'गोस्वामी सदन' पुराने हॉस्पीटल के सामने बहरोड़, अलवर (राज.)

श्री भुवनेश रोहिल्ला,मो. 8952859514,
लेडिज फैशन पोईन्ट, न्यू बस स्टैण्ड के सामने यादव धर्मशाला के पास, बहरोड़, अलवर

अलवर
श्री आर.एस. वर्मा, 07300227428
के.वी. पब्लिक स्कूल,
35 लादिया,बाग अलवर

जयपुर
श्री नन्द किशोर बत्रा,09828242497
5-C, उन्नति एन्क्लेव, शिवपुरी, कालवाड़ रोड़,झोटवाड़ा, जयपुर 302012

अजमेर
श्री सत्य नारायण कुमावत,09166190962
कुमावत कॉलोनी, आर्य समाज के पीछे, मदनगंज,किशनगढ़, अजमेर

बूंदी
श्री गिरिधर गोपाल गुप्ता,09829960811,
ए.14, 'गिरधर-धाम', न्यू मानसरोवर कॉलोनी, चित्तौड़ रोड़, बून्दी

झारखण्ड

हजारीबाग
श्री डूंगरमल जैन,मो.-09113733141
C/o पारस फूड्स, अखण्ड ज्योति ज्ञान केन्द्र, मेन रोड़ सदर थाना गली, हजारीबाग

श्री भगवानदास गुप्ता-09234894171
07677373093 गांव-नापो खुर्द,पो.-गोसाई बलिया,जिला-हजारीबाग

रामगढ़
श्री जोगिन्दर सिंह जग्गी,मो. 7992262641
44ए, छोटकी मुरीम, नजदीक उमा इन्सीट्यूट राजीव सिनेमा रोड़, बिजुलिया, रामगढ़

धनबाद
श्री गोपाल कुमार,
9430348333, आजाद नगर, भूलीनगर

गोवा

गोवा
श्री अमृत लाल दोषी,मो. 07798917888
'दोषी निवास' जैन मन्दिर के पास, पजीफोन्ड, मडगांव गोवा-403601

मध्य प्रदेश

उज्जैन
श्री गुलाब सिंह चौहान
मो. 09981738805, गाँव एवं पो. इन्गोरिया, उज्जैन 456222

रतलाम
श्री चन्द्र पाल गुप्ता
मो. 9752492233,मकान नं. 344, काटजूनगर, रतलाम

जबलपुर
श्री आर. के. तिवारी,मो. 9926660739
मकान नं. 133, गली नं. 2, समदड़िया ग्रीन सिटी,माढ़ोताल, जिला - जबलपुर

मन्दसौर
श्री मनोहर सिंह देवड़ा
मो. 9753810864,म.नं. 153, वार्ड नं. 6, ग्राम-गुराड़िया,पोस्ट-गुराड़ियादेदा, जिला - मन्दसौर

भोपाल
श्री विष्णु शरण सक्सेना
मो. 09425050136, ए-3/302, विष्णु हाईटेक सिटी, अहमदपुर रेल्वे क्रोसिंग के सामने, बावड़िया कलाँ, होशंगाबाद रोड़ जिला - भोपाल

बखतगढ़
श्री सुरेन्द्र सिंह सोलंकी,08989609714,
बखतगढ, त.-बदनावर,जि.-धार

हरियाणा

कैथल
डॉ. विवेक गर्ग,मो. 9996990807,गर्ग मनोरोग एवं दांतों का हस्पताल के अन्दर पद्मा मॉल के सामने करनाल रोड़, कैथल

श्री सतपाल मंगला
मो. 09812003662-3
68-ए, नई अनाज मंडी, कैथल

सिरसा
श्री सतीश मेहता मो. 9728300055
म.न.-705, से.-20,पार्ट-द्वितीय,सिरसा

जुलाना मण्डी
श्री मनोज जिन्दल मो. 9813707878,108 अनाज मण्डी, जुलाना,जींद

पलवल
श्री वीर सिंह चौहान मो.9991500251
विला नं. 228, ओमेक्स सिटी, सेक्टर-14, पलवल

फरीदाबाद
श्री नवल किशोर गुप्ता
मो. 09873722657, कश्मीर स्टेशनरी स्टोर, दुकान नं. 1डी/12, एन.आई.टी., फरीदाबाद, हरियाणा

करनाल
श्री सतीश शर्मा,मो. 09416121278
म.नं. 886, सेक्टर-7, अरबन एस्टेट करनाल

अम्बाला
श्री मुकुट बिहारी कपूर,मो. 08929930548
मकान नं.- 3791, ओल्ड सब्जी मण्डी, अम्बाला केन्ट-133001

श्रीमान अजीत कुमार जी
शास्त्री (क्लॉथ मर्चेन्ट)
9416367996
चन्द्रभान वाली गली, गांव व पोस्ट-शहजादपुर
तहसील-नारायणगढ़
जिला-अम्बाला-134202

नरवाना
श्री राजेन्द्र पाल गर्ग
मो. 09728941014
165-हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, नरवाना, जीन्द

महाराष्ट्र

आकोला
श्री हरिश जी, मो.नं. - 9422939767
आकोट मोटर स्टेण्ड, आकोला

परभणी
श्रीमती मंजु दरड़ा-मो. 09422876343

नांदेड़
श्री विनोद लिंबा राठोड,07719966739
जय भवानी पेट्रोलियम,मु. पो. सारखानी, किनवट, जिला - नांदेड़

पाचोरा
श्री सीताराम जी-मो. 9422775375

मुम्बई
श्रीमती रानी दुलानी,न.-028847991
9029643708,10-बी/बी, वाईसराय पार्क,ठाकुर विलेज कान्दीवली,मुम्बई

श्री प्रेम सागर गुप्ता ,मो. 9323101733
सी-5, राजविला, बी.पी.एस. 2 क्रोस रोड,वेस्ट मुलुंड, मुम्बई

भायंदर
श्री कमलचंद लोढा, मो. 8080083655
ए/103, 'देव आंगन' जैन मन्दिर रोड़ बावन जिनालय मन्दिर के पास, भायंदर (पश्चिम) ठाणे-401101

बोरीवली
श्री प्रवीण भाई गिरधर भाई परमार
मो. 9869534173
फ्लेट नं. 708, क्वार्टर रोड नं. 5
श्री अम्बे सोसायटी, रायडूंगरी, बी-विंग बोरीवली (ई.) 400066

हिमाचल प्रदेश

हमीरपुर
श्री ज्ञानचन्द शर्मा,मो. 09418419030
गाँव व पोस्ट - बिघरी, त. बदसर
जिला हमीरपुर - 176040

श्री रसील सिंह मनकोटिया
मो. 09418061161, जामलीधाम, पोस्ट-रोपा, जिला-हमीरपुर-177001

गुजरात

अहमदाबाद
श्री योगेन्द्र प्रताप राघव,मो. 09274595349
म.नं.: बी-77, गोल्डन बंगलो, नाना चिलोड़ा, अहमदाबाद

उत्तर प्रदेश

बरेली
श्री कुंवरपाल सिंह पुंडीर
मो. 9458681074,विकास पब्लिक स्कूल के पीछे, स्वरूप नगर (चहवाई) जिला-बरेली

श्री विजय नारायण शुक्ला
मो. 7060909449,मकान नं.22/10, सी.बी.गंज, लेबर इण्डस्टीयल कॉलोनी बरेली

भदोही
श्री अनूप कुमार बरनवाल,
मो.7668765141,शिव मन्दिर के पास, मैन मार्केट, खमरिया, जिला भदोही, 221306

हाथरस
श्री दास बृजेन्द्र,मो.-09720890047
दीनकुटी सत्संग भवन,सादाबाद

हापुड़
श्री मनोज कंसल मो.-09927001112,
डिलाइट टैन्ट हाऊस,कबाड़ी बाजार,हापुड़

गजरौला, अमरोहा
श्री अजय एवं श्रीमती आरती शर्मा
मो.-08791269705
बांके बिहारी सदन, कालरा स्टेट, गजरौला, अमरोहा-244235

छत्तीसगढ़

दीपका, कोरबा
श्री सूरजमल अग्रवाल,मो. 09425536801

श्री देवनाथ साहू,मो. 09229429407
गांव- बेला कछार, मु.पो. बालको नगर, जिला-कोरबा

बिलासपुर
डॉ. योगेश गुप्ता,मो.-09827954009
श्रीमन्दिर के पास, रिंग रोड़ नं. 2, शान्ति नगर, बिलासपुर

बालोद
श्री बाबूलाल संजयकुमार जैन
मो. 9425525000,रामदेव चौक बालोद, जिला-बालोद

जम्मू/कश्मीर

जम्मू
श्री जगदीश राज गुप्ता,मो. 09419200395
गुरू आशीर्वाद कुटीर, 52-सी अपर शिव शक्ति नगर जम्मु-180001

डोडा
श्री विक्रम सिंह व नीलम जी कोतवाल
मो. 09419175813, 08082024587
ग्वाड़ी, उदराना, त. भदवा, डोडा

दिल्ली

शाहदरा
श्री विशाल अरोड़ा-8447154011
श्रीमान रविशंकर जी अरोड़ा-9810774473
मैसर्स शालीमार ड्राइक्लीनर्स
IV/1461 गली नं. 2 शालीमार पार्क, D.C.B. ऑफिस के पास,शाहदरा

नारायण सेवा केन्द्र

महाराष्ट्र

मुम्बई

07073452174, 09529920088
07073474438, मकान नं. 06/103, ग्राउण्ड फ्लोर, ओम मणिकांत सी.एच.एस., लिमिटेड शास्त्री नगर, रोड-1, गोरेगांव पश्चिम मुम्बई-400104

पूणे

09529920093
17/153 मेन रोड, गणेश सुपर मार्केट गोखले नगर, पूणे-16

राजस्थान

जोधपुर

08306004821
मेडती गेट के अंदर,कुचामन हवेली के पास,जोधपुर,राज.-342001

कोटा

07023101172
नारायण सेवा संस्थान, मकान नं.2-बी-5 तलवंडी, कोटा (राज.) 324005

जयपुर

08696002432, बी-16 गोविन्ददेव कॉलोनी, चौगान स्टेडियम के पीछे, गणगौरी बाजार,जयपुर

बिहार

पटना

मकान नं.-23, किताब भवन रोड नॉर्थ एस.के. पुरी, पटना-13

हरियाणा

चण्डीगढ़

070734 52176
म.नं.-3658,सेक्टर-46/सी,चण्डीगढ़

गुरूग्राम

08306004802, हाउस नं.-1936 जीए,गली नं.-10,राजीव नगर ईस्ट, माता रोड, सी.आर.पी.एफ. केम्प चौक,गुरुग्राम -122001

हिसार

07023003320,मकान न. 2249, सेक्टर-14,हिसार 125005

(कर्नाटक)

बेंगलूरू

09341200200,नारायण सेवा संस्थान 40 (12) प्रथम फ्लोर, मॉडल हाउस कॉलोनी, अपोजिट समना पार्क, एनआर कॉलोनी, बसवानगुडी, बेंगलुरु-560004

पंजाब

लुधियाना

07023101153
50/30-ए, राम गली, नौरीमल बाग भारत नगर, लुधियाना (पंजाब)

उत्तर प्रदेश

प्रयागराज

09351230393, म.न . 78/बी, मोहत सिंह गंज, प्रयागराज -211003

मेरठ

08306004811, 38, श्री राम पैलेस, दिल्ली रोड,नियर सब्जी मंडी, माधव पुरम,मेरठ 250002

लखनऊ

· 09351230395
551/च/157 नियर केला गोदाम, डॉ. निगम के पास, जय प्रकाश नगर आलम बाग, लखनऊ

मध्य प्रदेश

ग्वालियर

07412060406, 41 ए ,न्यू शांति नगर, त्रिवेदी नर्सिंग होम के पीछे,नई सडक, लश्कर,ग्वालियर 474001

भोपाल

095299 20089
ए -846, न्यू अशोका गार्डन, दिगम्बर जैन मंदिर के पास, रायसन रोड, भोपाल - 462023

वेस्ट बंगाल

कोलकाता

09529920097,
म.न.-पी226, ए ब्लॉक, ग्राउण्ड फ्लोर, लेक टाऊन कोलकाता-700089

गुजरात

सूरत

09529920082,
27, सम्राट टाऊनशिप,सम्राट स्कूल के पास, परवत पाटीया, सूरत

वडोदरा

मो.: 9529920081 म. नं.: 1298, वैकुंठ समाज, श्री अम्बे स्कूल के पास, वाघोड़िया रोड, वडोदरा -390019

अहमदाबाद

मो.: 9529920080 म. नं.: बी 11, बसंत बहार फ्लेट, राजस्थान हॉस्पीटल के पीछे, शिहाबाग, अहमदाबाद 380004

दिल्ली

रोहिणी

08588835718, 08588835719
नारायण सेवा संस्थान,बी-4/232 ,शिव शक्ति मंदिर के पास,सेक्टर-8, रोहिणी, दिल्ली -110085

जनकपुरी, नई दिल्ली

07023101156, 7023101167
सी1/212, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058

नारायण नि:शुल्क फिजियोथेरेपी सेन्टर

दिल्ली

फतेहपुरी

09999175555
07073452155
6473 कटरा बरियान, अम्बर होटल के पास, फतेहपुरी,दिल्ली-6

शाहदरा

बी-85, ज्योति कॉलोनी, दुर्गापुरी चौक,शाहदरा, दिल्ली-32

उत्तर प्रदेश

हाथरस

07023101169
एलआईसी बिल्डिंग के नीचे, अलीगढ़ रोड, हाथरस

मथुरा

07023101163, नारायण सेवा संस्थान 68-डी, राधिका धाम के पास, कृष्णा नगर, मथुरा 281004

अलीगढ़

07023101169,एम.आई.जी. -48 विकास नगर, आगरा रोड,अलीगढ़

मोदीनगर

आर्य समाज मंदिर, सीकरी पेट्रोल पम्प के पास, मोदी बाग के सामने मोदीनगर -201204

बरेली

बी-17, राजेन्द्र नगर, जिंगल बेल्स स्कूल के पास, बरेली

लोनी

09529920084, दानदाता :
डॉ. जे.पी. शर्मा, 9818572693
श्रीमती कृष्णा मेमोरियल नि:शुल्क फिजियोथेरेपी सेन्टर, 72 शिव विहार, लोनी बन्थला, चिरोड़ी रोड (मोक्षधाम मन्दिर) के पास लोनी, गाजियाबाद

गाजियाबाद

(1) 07073474435
184, सेठ गोपीमल धर्मशाला केलावालान, दिल्ली गेट गाजियाबाद

(2) 07073474435
श्रीमती शीला जैन नि:शुल्क फिजियोथेरपी सेंटर,बी.-350 न्यू पंचवटी कॉलोनी, गाजियाबाद -201009

आगरा

07023101174
मकान नंबर 8/153 ई -3 न्यू लॉयर्स कॉलोनी,नियर पानी की टंकी के पीछे, आगरा -282003 (उ.प्र.)

राजस्थान

जयपुर

09928027946, बद्रीनारायण बैद फिजियोथेरेपी हॉस्पीटल एण्ड रिचर्स सेन्टर बी-50-51 सनराईज सिटी,मोक्ष मार्ग, निवारू झोटवाड़ा,जयपुर

गुजरात

अहमदाबाद

9529920080
ओ.बी. 3/27 गुजरात हाउसिंग बोर्ड खोडियार मंदिर, 4 रास्ता लाल बहादुर शास्त्री स्टेडियम रोड, बापूनगर, अहमदाबाद-24

राजकोट

09529920083, भगत सिंह गार्डन के सामने आकाशवाणी चौक, शिवशक्ति कॉलोनी, ब्लॉक नं. 15/2 युनिर्वसिटी रोड,राजकोट

तेलंगाना

हैदराबाद

09573938038,लीलावती भवन, 4-7-122/123 इसामिया बाजार, कोठी , संतोषी माता मंदिर के पास,हैदराबाद -500027

उत्तराखण्ड

देहरादून

07023101175, साई लोक कॉलोनी, गांव कार्बरी ग्रांट,शिमला बाय पास रोड, देहरादून 248007

महाराष्ट्र

मुम्बई

09529920090,ओसवाल बगीची, आरएनटी पार्क,भायन्दर ईस्ट मुम्बई - 401105

मध्य प्रदेश

रतलाम

दत्ता कृपा महात्मा गांधी मार्ग, गली नम्बर-2 एचडीएफसी बैंक के पीछे, स्टेशन रोड, रतलाम - 457001 (म.प्र.)

इन्दौर

09529920087
12, चन्द्रलोक कॉलोनी खजराना रोड, इंदौर-452018

छत्तीसगढ़

रायपुर

07869916950,मीरा जी राव, म.नं.-29/500 टीवी टावर रोड, गली नं.-2, फेस-2 श्रीरामनगर,पो.-शंकरनगर,रायपुर,छ.ग.

हरियाणा

अम्बाला

07023101160,सविता शर्मा, 669, हाऊसिंग बोर्ड कोलोनी अरबन स्टेट के पास, सेक्टर-7 अम्बाला

कैथल

09812003662,ग्राऊंड फ्लोर, गर्ग मनोरोग एवं दांतों का हॉस्पिटल, नियर पदमा सिटी माल, करनाल रोड, कैथल

दिव्यांग, अनाथ, असहाय एवं वंचितजन की सेवा में सतत सक्रिय संस्थान के विभिन्न सेवा प्रकल्पों में करें सहयोग

कृपया अपने परिजनों या स्वयं के जन्मदिन, शादी की वर्षगांठ एवं पुण्यतिथि को बनायें यादगार..

जन्मजात पोलियोग्रस्त दिव्यांगों के ऑपरेशनार्थ सहयोग राशि

ऑपरेशन संख्या	सहयोग राशि	ऑपरेशन संख्या	सहयोग राशि
501 ऑपरेशन के लिए	17,00,000	40 ऑपरेशन के लिए	1,51,000
401 ऑपरेशन के लिए	14,01,000	13 ऑपरेशन के लिए	52,500
301 ऑपरेशन के लिए	10,51,000	5 ऑपरेशन के लिए	21,000
201 ऑपरेशन के लिए	07,11,000	3 ऑपरेशन के लिए	13,000
101 ऑपरेशन के लिए	03,61,000	1 ऑपरेशन के लिए	5000

निर्धन एवं दिव्यांगों को खिलाएं निवाला

आजीवन भोजन/नाश्ता सहयोग मिति (हर वर्ष में एक दिवस 50 दिव्यांग, निर्धन एवं अनाथ बच्चों के लिए भोजन/नाश्ता सहयोग हेतु मदद करें)	
नाश्ता एवं दोनों समय भोजन सहयोग राशि	37000/-
दोनों समय के भोजन की सहयोग राशि	30000/-
एक समय के भोजन की सहयोग राशि	15000/-
नाश्ता सहयोग राशि	7000/-

दुखियों के चेहरों पर लाएं खुशियां

दुर्घटनाग्रस्त एवं जन्मजात दिव्यांगों को दें कृत्रिम हाथ-पैर और सहायक उपकरणों का उपहार

वस्तु	सहयोग राशि (एक नग)	सहयोग राशि (तीन नग)	सहयोग राशि (पाँच नग)	सहयोग राशि (ग्यारह नग)
तिपहिया साईकिल	5000	15,000	25,000	55,000
व्हील चेयर	4000	12,000	20,000	44,000
कैलिपर	2000	6,000	10,000	22,000
वैशाखी	500	1,500	2,500	5,500
कृत्रिम हाथ/पैर	10000	30,000	50,000	1,10000

गरीब दिव्यांगों को बनाएं आत्मनिर्भर

मोबाइल /कम्प्यूटर/सिलाई/मेहन्दी प्रशिक्षण सौजन्य राशि	
1 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि- 7,500	3 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि -22,500
5 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि- 37,500	10 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि -75,000
20 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि- 1,50,000	30 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि -2,25,000

शिक्षा से वंचित आदिवासी क्षेत्र के बच्चों को शिक्षित करने में करें मदद	
एक बालक का 1 माह का शिक्षा सहयोग	11,00/-
एक बालक का 1 वर्ष का शिक्षा सहयोग	11,000/-
एक बालक का आजीवन पालनहार सहयोग (6 से 18 वर्ष)	1,00,000/-

अपने बैंक खाते से संस्थान के बैंक खाते में जमा करें- अपना दान

आप अपना दान सहयोग नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर के नाम से संस्थान के बैंक खातों में सीधे भी जमा करवाकर PAY IN SLIP भेजकर सूचित कर सकते हैं, जिससे दान प्राप्ति रसीद आपको भेजी जा सके।

संस्थान पैन नम्बर AAATN4183F, टैन नम्बर JDHN01027F

STATE BANK OF INDIA	-H.M.Sector-4	SBIN0011406	31505501196
ICICI Bank	-Madhuban	ICIC0000045	004501000829
PUNJAB NATIONAL BANK	-KalajiGoraji	PUNB0297300	2973000100029801
UNION BANK OF INDIA	-UdaipurMain	UBIN0531014	310102050000148
HDFC BANK	358-Post Office Road, Chetak Circle	HDFC0000119	50100075975997

संस्थान को दिया गया दान-सहयोग आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80G के अन्तर्गत 50 प्रतिशत नियमानुसार कर में छूट के योग्य है।

UPI narayanseva@sbi

संस्थान को **paytm** एवं **UPI** के माध्यम से दान देने हेतु इस **QR Code** को स्केन करें अथवा अपने पेमेंट एप में **UPI Address** डालकर आसानी से सेवा भेजे।

अधिक जानकारी के लिए कॉल करें

फोन नं.: +91-294-6622222

वाट्सअप : +91-7023509999

आपके अपने संस्थान का पता

नारायण सेवा संस्थान - 'सेवाधाम', सेवानगर, हिरण मगरी, सेक्टर-4, उदयपुर-313002 (राजस्थान) भारत

सहमति-पत्र के साथ आप अपनी करुणा सेवा भिजवा सकते हैं

आदरणीय अध्यक्ष महोदय,

मैं (नाम) .... **सहयोग मद** ....

उपलक्ष्य में/स्मृति में ....

संस्थान द्वारा संचालित सेवा कार्यों में रुपये .... **का चेक नं./डी.डी. नं./एम.ओ./पे-इन स्लीप** .... **दिनांक** .... **से सहयोग भेजने की सहमति प्रदान करता हूँ/करती हूँ।**

पूर्ण पता ....

जिला .... **पिन कोड** .... **राज्य** ....

मो. नं. .... **वाट्सअप नं.** .... **ई-मेल** ....

हस्ताक्षर

गरीब बच्चों को संस्कारवान
बनाने के लिये संस्थान द्वारा

नारायण गुरूकुल

का शुभारम्भ किया गया है

कृपया सामर्थ्यानुसार
सहयोग करें।

UPI narayanseva@sbi

Seva Soubhagya, Print Date 1 December, 2022 Registered Newspaper No. RAJBIL/2010/52404 Postal Reg. No. RJ/UD/29-146/2020-2022. Despatch Date 1st to 7th of every month, Chetak Circle Post Office, Udaipur, Published by Sole-Owner, Publisher and Chief Editor Prashant Agarwal from Sevadham, Hiran Magri, Sector-4, Udaipur - 313002 (Raj) Printed at Newtrack Offset Private Limited, Udaipur. Total pages- 28 (No. of copies printed 1,05,000) cost- Rs.5/-